Speech of Hon'ble Mr. Justice Vijender Jain, Chief Justice, Punjab and Haryana High Court & Patron-in-Chief, Haryana State Legal Services Authority on the occasion of Legal Literacy Seminar on 'Eradication of Female Foeticide' held at Hindu Girls College, Sonepat on 17.2.2008

मुझे बहुत ही खुशी हुई कि आज आरोग्यधाम और Haryana Legal Services Authority ने मिलकर कन्या भ्रूण हत्या का जो एक अभिशाप हमारे समाज पर और हरियाणा की जनता के सिर के ऊपर कलंक के रूप में है उसके बारे में भाषण से नहीं परन्तु कला, बच्चों की नृत्य नाटिका, उनके गायन और गीत से आपके हृदय को झंकोड़ने की कोशिश की है। मैंने ये सोचा था कि भाषण देने से इस समस्या का निदान नहीं हो सकता जब तक आपके हृदय में वो टीस पैदा न हो। जब तक आप ये महसूस नहीं करें, आपको अहसास नहीं हो कि भ्रूण हत्या कितना घिनौना पाप है।

मेरे यहां 12-13-14 के करीब हाई कोर्ट के जज साहिबान रविवार के दिन अपनी पत्नियों के साथ जगह-जगह पर जाते हैं क्योंकि हमने एक बीड़ा उठाया है भ्रूण हत्या के विरूद्ध संघर्ष करने का। कानूनी अपराध करने पर हम सजा देने में सक्षम हैं पर जब मानसिक चेतना नहीं बदलेगी इस समाज से, सामाजिक बुराई मिटाई नहीं जा सकती और यही कारण है कि सारे भारत में पंजाब और हरियाणा चाहे वो हमारी आज़ादी की जंग थी, चाहे हमारे को औद्योगिक क्षेत्र में तरक्की करने का मसला है हम सबसे आगे हैं और जब लड़कियों को मारने का, कन्या की भ्रूण हत्या करने का नम्बर आता है तो पंजाब और हरियाणा उसमें भी सबसे आगे हैं। हमको शर्म आई कि इतने महान राज्य और प्रदेश के लोग, इतना उनका पुराना इतिहास, भगवान कृष्ण ने कुरूक्षेत्र के अंदर गीता का उपदेश

दिया था और शर्म की बात ये है कि सबसे कम लिंगानुपात कुरूक्षेत्र के अंदर है। नम्बर दो सोनीपत के अंदर सबसे कम लिंगानुपात है। ये हमारे लिए, आपके लिए क्या एक कलंक नहीं है?

एक छोटी नन्हीं मुन्नी लड़की जिसको गर्भ में मार दिया जाता है वो आप जैसे तमाम समाज के माँ, बाप, बुआ, दादा, दादी सबसे एक सवाल पूछती है कि मेरा क्या कसूर है। मैं क्यों सिर्फ गर्भ के अंदर ही मार दी जाती हूँ। वो कहती है मैं आपसे कभी पांजेब नहीं मांगूगी। मैं आपसे नये कपड़े नहीं मांगूगी। माँ मुझे कम से कम इस धरती पर आकर के चांद तारे तो देखने दे। पर समाज की सोच उस लड़की को पेट के अंदर ही मारने के लिए मजबूर कर देती है। इस शैतानी सोच से आपको लड़ना है। ये सबसे बड़ा जघन्य अपराध है, इस अपराधी सोच के खिलाफ आपको एक मुहिम और जो जंग जो हमने हवन के रूप में शुरू किया, उसमें आपने आहुति डालनी है और जब तक आप वो आहुति नहीं डालेंगे, दुनिया का कोई पीर पैगमवर, आपका कोई धर्म आपको माफ नहीं करेगा।

भगवान श्रीकृष्ण ने गीता के 14वें अध्याय में कहा है कि जो योनि के अंदर गर्भ में स्थापित करता है उसका बीज, उसका पिता मैं हूँ। जब उस योनि के अंदर स्थापित करने वाला खुद ब्रहम, खुद भगवान है तो उस बीज की हत्या करने का जो पाप सिर के ऊपर लगता है उसको कौन सा सरोवर, कौन सा तीर्थ, कौन सा मंदिर, कौन सा गुरूद्वारा धो सकता है। आप तमाम लोग, हम अपने सारे जीवन में भगवान का नाम लेते हैं। राधा कृष्ण कहते हैं, सीता राम कहते हैं अगर कौशल्या नहीं होती तो राम कहां से आते। अगर हमारे यहां सिर्फ पुत्र ही पुत्र हों तो उस पुत्र को जन्म करने वाली मां कहां से आयेगी। बड़ा अच्छा एक यहां पर बच्चों ने दिखलाया कि अगर आज आप इस बात से आगाह नहीं होते हैं, आप

अपनी शैतानी सोच को मिटाने के अंदर इस जंग में शामिल नहीं होते हैं तो हालत यही होगी कि लड़की मिलेगी नहीं, ढूंढ़नी पड़ेगी। गांव में पता लगा कि 100 लड़के हैं तो 4 लड़कियां हैं। उस समाज की कल्पना कीजिये कि जब संतुलन बिगड़ जायेगा, संतुलन नहीं रहेगा तो समाज में क्या होगा। वो समाज एक मलंग समाज हो जायेगा।

नारी वात्स्लय का प्रतीक होती है। नारी प्रेम का प्रतीक होती है। नारी शक्ति का प्रतीक होती है। नारी आध्यात्म का प्रतीक होती है। अगर हम समाज में किसी भी दुनिया के अंदर जो विकसित राष्ट्र हैं वहां पर लिंगानुपात के अंदर कभी लड़के और लड़की के अंदर फर्क नहीं होता। हम सारे दिन बैठकर के दुर्गा की पूजा करते हैं, सरस्वती वंदना करते हैं, लक्ष्मी की पूजा करते हैं, राम नवमी के दिन दशहरा आता है उससे पहले छोटी बच्चियों की पूजा करते हैं और इस दिवमता के साथ भ्रूण के अंदर हम बच्ची की हत्या कर देते हैं। इसके बारे में आप सब लोगों को जो यहां पर बैठे हैं आज एक प्रण करना होगा। मैं आह्वान करता हूँ आप तमाम लोगों को, सोनीपत के नागरिकों को, यहां की लड़कियों को, यहां के लड़कों को, यहां के बुजुर्गों को कि आप आने वाले समय के अंदर सोनीपत के अंदर लिंगानुपात को जो सबसे कम है हरियाणा के अंदर, उसको आने वाले समय के अंदर increase करके लड़कियों को ज्यादा से ज्यादा यहां पर पैदा करेंगे और ये भ्रूण हत्या जैसी सामाजिक बुराई है उसके खिलाफ इस संघर्ष में शामिल होकर के गांव-गांव के अंदर, शहर-शहर के अंदर जाकर के तमाम लोगों को साथ लेंगे। ये एक घिनौनी समस्या है, इसके साथ हम लोग लड़ सकें और हमारा जो संकल्प है कि हमने हरियाणा और पंजाब के अंदर इस लिंगानुपात को दूर करना है। सिर्फ सजा देकर के नहीं बल्कि अपनी मानसिकता को, अपने चिंतन को बदल करके जिससे समाज के

अंदर एक क्रांति आये, एक नयी सोच पैदा हो। इन्हीं शब्दों के साथ मैं आरोग्यधाम का, आप सब लोगों का, इस कॉलेज का, इनके बच्चों का, इनके प्रिंसीपल साहिब का बहुत शुक्रिया अदा करता हूँ कि जिन्होंने इस काम को आगे बढ़ाया और आगे भी इस कार्य को और दूसरे colleges के अंदर दूसरी जगह पर लेकर के आगे बढ़ेंगे।

धन्यवाद।